Reduction in Power Generation by N.T.P.C.

2043. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to a news item captioned "Defaulting SEBs force N.T.P.C. to cut down generation" as reported in the Economic Times of the 25th June, 1992;

(b) if so, whether due to financial constraints, the N.T.P.C. is unable to boost power generation in the country;

(c) if so, whether Government has since contemplated any concrete steps to make availability of funds for N.T.P.C. to improve its power generation facilities; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATS OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) Default in making full and timely payments by State Electricity Boards (SEBs) and others for supply of electricity by the National Thermal Power Corporation (NTPC) is causing liquidity problems for NTPC. The SEBs have been requested to make full and' timely payments in order to enable NTPC to pay for supplies of coal, gas. etc. to maintain generation and supply of Power. In April-June, 1992, NTPC has generated more power than in the corresponding period last year. Recovery of dues from the defaulting SEBs through Central Appropriation has been made to improve the availability of funds for NTPC.

उत्तर प्रदेश में अनपारा विद्युत परियोजना

2044. **श्री अनन्त राम जायसवाल :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जापान की सहायता व सहयोग से अनपारा, उत्तर प्रदेश में बनाये जा रहे विद्युत उत्पादक संयंत्र ने 500 मेगावाट की अतिरिक्त क्षमता प्राप्त कर ली है यदि हां, तो यह अतिरिक्त क्षमता कब तक प्राप्त की गई ;

(ख) क्या इस नवोत्पादित बिजली की वाराणसी और उन्नाव में अलग-अलग पहुंचाने का प्रस्ताव है ;

(ग) यदि हां, तो क्या इस प्रयोजनार्थ पारेषण (ट्रांसमिशन) लाइनें उपलब्ध हैं ; और

(घ) यदि नहीं, तो पारेषण लाइनें उपलब्ध कराये जाने में विलम्ब के क्या कारण हैं ?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) अनपारा "बी" ताप विद्युत परियोजना, जिसके अन्तर्गत 500–500 मेगावाट की दो यूनिटें स्थापित किए जाने की परिकल्पना की गई है, उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड द्वारा जापान की सहायता से त्रियान्वित किया जा रहा है । पहली यूनिट को 1993–94 में तथा दूसरी यूनिट को 1994–95 में चालू किए जाने का कार्यक्रम है ।

(ख) से (घ) अनपारा "बी" तापविद्युत केन्द्र से विद्युत का निष्क्रमण करने के लिए आयोजित पारेषण प्रणाली में अन्य बातों के साथ-साथ पारेषण लाइनों को उन्नाव तथा वाराणसी तक बिछाया जाना भी शामिल है । आयोजित पारेषण प्रणाली सम्बन्धी कार्य पिछड़ रहा है । विलम्ब के कारणों में अन्य बातों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड के पास वित्तीय सम्बन्धी बाधाएं, अनपारा-उन्नाव 765 के०वी० लाइन के लिए परामर्श-दाता की नियुक्ति में विलम्ब, वनरोपण के प्रयोजनार्थ भूमि को अभिज्ञात किए जाने में देरी होना शामिल है ।